No. of Printed Pages : 6 **BPYE–002**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP) (B. A. PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2023

Elective Course : Philosophy

BPYE-002 : TRIBAL AND DALIT PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the* ***five*** *questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

(iii) Answers to Question No. ***1*** *and* ***2*** *should be in about* ***400*** *words each.*

---

1. Narrate the historical roots of the tribals. 20

Or

Explain the social and moral customs of tribals in order to preserve the purity of their tribe.

2. Trace the emergence of caste system in India. 20

Or

Explain how the Dalits are marginalised in Indian society. Give your remedies to improve their situation.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Narrate the features of Tribal folklore. 10

   (b) Explain the nature of morality in tribal traditions. 10

   (c) Examine Manu's views on caste system. 10

   (d) Write about some of the leaders of Bhakti movement who protested against caste system. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Explain Gramsci's notion of cultural hegemony. 5

   (b) Comment on Dalit Solidarity. 5

   (c) What are the ways of empowering Dalits ? 5

(d) Explain the political structures of violence against Dalits. 5

(e) What is your understanding about tribal philosophy ? 5

(f) How does clan play an important role in forming social relationships ? 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Festivals of Tribals 4

(b) Adivasi Identity 4

(c) Cosmotheandvism 4

(d) Meaning of the word 'Dalit' 4

(e) Dharmasutras 4

(f) Subaltern Historiography 4

(g) Dalit Politics 4

(h) Ambedkar's views on Dalit liberation 4

BPYE–002

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. डी. पी)

(बी. ए. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी. पी. वाई. ई.-002 : जनजातीय एवं दलित दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. जनजातियों की ऐतिहासिक जड़ों का विवरण दीजिए। 20

अथवा

जनजातियों के द्वारा अपनी शुद्धता को संरक्षित करने के क्रम में उनके सामाजिक और नैतिक रीति-रिवाजों के महत्व की व्याख्या कीजिए।

2. भारत में जाति-व्यवस्था के उद्भव पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

भारतीय समाज में दलित कैसे हाशिए पर पहुँचे हैं, व्याख्या कीजिए। दलितों की स्थिति में सुधार के सम्बन्ध में अपने सुझाव प्रस्तुत कीजिए।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(क) जनजातीय लोक साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

(ख) जनजातीय परम्परा में नैतिकता की प्रकृति की व्याख्या कीजिए। 10

(ग) जाति व्यवस्था पर मनु के विचारों का परीक्षण कीजिए। 10

(घ) जाति व्यवस्था का विरोध करने वाले कुछ भक्ति आन्दोलन के अग्रणी व्यक्तियों के बारे में बताइए। 10

4. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(क) ग्राम्शो के सांस्कृतिक आधिपत्य के सिद्धान्त को व्याख्या कीजिए। 5

(ख) दलित एकता पर टिप्पणी कीजिए। 5

(ग) दलितों के सशक्तिकरण के क्या तरीके हैं ? 5

(घ) दलितों के विरुद्ध हिंसा को राजनैतिक संरचना की व्याख्या कीजिए। 5

(ङ) जनजातीय दर्शन के सम्बन्ध में आपके क्या विचार हैं ? 5

(च) सामाजिक सम्बन्धों के निर्माण में कुल (clan) कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ? 5

5. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) जनजातीय उत्सव 4

(ख) आदिवासी पहचान 4

(ग) ब्रह्माण्ड केन्द्रीयवाद 4

(घ) 'दलित' शब्द का अर्थ 4

(ङ) धर्मसूत्र 4

(च) निम्नवर्गीय इतिहास लेखन 4

(छ) दलित राजनीति 4

(ज) दलित उद्धार के सम्बन्ध में अम्बेडकर के विचार 4